मूल्य - 5 रु.

Tara

तारांशु

मासिक

अप्रेल - 2018

वर्ष 6, अंक 7, पृ.सं. 20

अपनों से मिलने की आस लगाए वृद्धाश्रमवासी श्री जगजीवन प्रसाद

22 अप्रेल, 2018 को उद्घाटन हेतु लगभग तैयार आनन्द वृद्धाश्रम का नवीन परिसर

जब तक पत्रिका आप तक पहुँचेंगी तब तक इस का विधिवत उद्घाटन हो चुका होगा।

आनन्द वृद्धाश्रम नवीन परिसर के निर्माण हेतु योगदान योजना

आनन्द वृद्धाश्रम में वर्तमान में 45 बेड हैं और प्रतिमाह 2 के औसत से जानकारी मांगी जाती है, जो वृद्धाश्रम में रहना चाहते हैं। जगह खाली नहीं होने की वजह से भविष्य में किसी भी बुजुर्ग को निराश नहीं लौटाना पड़े इस विचार के साथ तारा संस्थान ने बैंक लोन लेकर 7000 वर्ग फीट भूमि खरीदी। इस भूमि हेतु हमारे दानदाताओं ने मुक्तहस्त सहयोग किया। आशा है, अब नवीन परिसर निर्माण हेतु भी आप समस्त भामाशाह उसी प्रकार खुले दिल से सहयोग करेंगे।

भवन निर्माण सौजन्य राशि :

भवन निर्माण ''दधीचि''	भवन निर्माण ''कर्ण''	भवन निर्माण ''भामाशाह''
रु. 1,00,000/-	रु. 51,000/-	रु. 21,000/-

''तारा संस्थान, उदयपुर''
राजस्थान रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र क्रमांक:
31/उदयपुर/2009-10 दिनांक 25 जून, 2009
द्वारा पंजीकृत है।

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्रीमती पुष्पा - श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक, प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती सुमन - श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती प्रेम निझावन
समाजसेवी, दिल्ली

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तरुक सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

आवरण चित्र
अरविन्द शर्मा

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
22 अप्रेल, 2018 को उद्घाटन	02
अनुक्रमणिका	03
लेख 1 : थैंक यू, इतनी खूबसूरत.. नई सोच के लिए...	04
लेख 2 : बच्चों के लिए	05
परिसर के निर्माण कार्यों का जायजा	06
आनन्द वृद्धारम का नवीन परिसर के उद्घाटन की तैयारियों अंतिम चरण में	07
वरिष्ठजनों के रिश्तेदारों के विचार	08 - 11
गौरी योजना / तृप्ति योजना	12
तारा नेत्रालय : विशेष केस	13
कुर्सत के पलों में	14
मासिक न्यूज / गतिविधियाँ	15
नेत्रालय मासिक अपडेट्स : मोतियाबिन्द जाँच शिविर	16
विनम्र अपील / अभिनन्दन	17
स्वागत / धन्यवाद	18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान	19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (बाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश ''मानव'' की सन्निधि में साथ में संस्थान सचिव श्री दीपेश मित्तल (दाएं)

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

थैंक यू, इतनी खूबसूरत... नई सोच के लिए...

94.3 माई एफ.एम. (94.3 My FM) से फोन आया कि वृद्धाश्रम आवासियों की महिलाओं का हेयरकट और मेकअप करना चाहते हैं, उनके आफ्टरनून शो के लिए... बाहर (और अंदर दोनों) तरफ से आर.जे. माहिया को थैंक यू कहा इतनी खूबसूरत जिंदा..... नई सोच के लिए... और कल जब मैं ऊपर (वृद्धाश्रम) गई वो 70, 80, 85, 90 वाली मेरी सारी आंटिया 16 वर्ष की युवतियों वाली हंसी लिए मुझे अपने कटे हुए बाल और मेकअप दिखा रही थी और एक स्त्री के लिए शृंगार, आभूषण तो मानो एक जादुई मंत्र है, जोर से रोते हुए भी उनके आंसू थम जाए... सब जानती हूँ... मैं भी एक स्त्री हूँ... मेरी मम्मी को जन्मदिन की भेंट इस वर्ष 71 वर्ष की उम्र में पार्लर ले जाकर दी, बाल कलर फिर और फेसिअल, चेहरे पर ओढ़ा हुआ गुस्सा, मगर उनके दिल की गुदगुदी साफ दिख रही थी। यकीन मानिए वृद्धाश्रम आपकी उम्र को धोखा दे सकते है, आपकी सोई ख्वाहिशें, अधूरे सपने फिर अंगड़ाई लेने लगते हैं आखिर हो भी क्यों नहीं आखिर आप अपने हम उम्र दोस्तों के साथ रह रहे हैं। इतने बड़े समूह में जो आपको अपने लगे बस वही आपके दोस्त बन जाते हैं, और फिर बचपन जवानी के दिनों की जुगालिया और आज खाने में क्या मीठा होगा यह सोचकर आँखों की चमक बढ़ती है यही सब देखती हूँ जब लंच के लिए जाती हूँ।

वृद्धाश्रम नहीं होने चाहिए, ये ख्याल मुझे कभी नहीं आया, कुछ लोग कहते है तो सुन लेती हूँ बस जिस भी ''विदेशी'' ने अवधारणा को जन्म दिया वो बधाई का पात्र है... हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है, हमारी खुद के लिए जिम्मेदारी है कि हम खुश रहें, तनाव रहित रहे... और निःशुल्क वृद्धाश्रम ''जेब खाली है'', वाले तनाव को भी काफी हद तक विदा कर देते हैं। बात सिर्फ सोच की है। उपेक्षित, तिरस्कृत लेकिन दिखावटी सम्मानीय जिंदगी से बेहतर है, खुद से आँख मिला सकें, खुद को खुद की सम्मान दे सके वाली वृद्धाश्रम की जिंदगी.... आपका अपना घर, और फिर ये वक्त तो सबसे बड़ा दोस्त है, धीरे–धीरे सारी कड़वाहट भूला ही देता है, आप नेगटिवली खाली होने लगते हैं और पोजिटीवली भरने लगते हो...

मेरे दिल के तो बहुत करीब है, ये ''वृद्धाश्रम''।

कल्पना गोयल

बच्चों के लिए

बहुत लंबे समय से तारांशु के माध्यम से आप सभी को 'तारा' के नये वृद्धाश्रम के बारे में बताते रहे, इन्हीं आलेखों में आपको निमंत्रित भी किया। एक बहुत बड़ा प्रोजेक्ट था तो उस पर काफी बात हमने की। आप सबने हमारे निमंत्रण को स्वीकारा भी और खुले हाथों से सहयोग भी दिया, इसके लिए आभार।

इस बार के अंक में हम बात करते हैं तारा की एक नई योजना की जो बच्चों से जुड़ी है। थोड़े समय पहले उदयपुर के चिकित्सा विभाग से आदेश आया कि तारा नेत्रालय को उदयपुर जिले के दो ब्लॉक के स्कूल के बच्चों की जाँच कर ऐसे बच्चे छांटने हैं जिनकी नजर कमजोर है और उन्हें चश्मे भी देने हैं। विभाग का आदेश था कि संस्थान 309 ऐसे बच्चों को चश्मे देवें। संस्थान ज्यादातर बुजुर्गों के लिए काम करती है तो बच्चों के लिए काम करने का अवसर मिला तो तुरंत हाँ कर ली क्योंकि बच्चों के लिए कुछ भी करना सभी को अच्छा लगता है। इस काम में जो भी राशि मिल रही थी उससे अधिक खर्च होना था। ये भी पता था लेकिन हमने इस कार्य को हाथ में लिया और अभी तक 285 बच्चों को चश्मे दिए जा चुके हैं। लगभग 40 बच्चे ऐसे हैं जिन्हें तारा नेत्रालय जाकर विस्तृत जाँच कराने को कहा गया है क्योंकि उनकी अच्छे से जाँच की आवश्यकता है शायद कुछ को मोतियाबिन्द भी होवें। इस योजना से एक नई दिशा हमें भी मिली है कि जब हम 4 आँखों के अस्पताल चला रहे हैं तो हम ये ही मान कर क्यों चले कि आँखों की समस्या बुजुर्गों में ही होगी। पढ़ाई कर रहे बच्चों को तो सही दिखाई देने की सबसे ज्यादा जरूरत है, उनका पूरा भविष्य सामने है। और यदि एक भी बच्चे के मोतियाबिन्द है और समय पर उसका ऑपरेशन होने से उसकी आँखे बच जाए तो उसका पूरा जीवन सुधर जाएगा। हमारे पास ऐसे कई बच्चे आए हैं जिनके पका हुआ मोतियाबिन्द था और यदि समय पर ऑपरेशन नहीं होता तो वे अंधे हो जाते। लेकिन कैम्प में सामान्यतः ये बच्चे नहीं आते हैं। ये तो वो बच्चे थे जिन्हें बिलकुल दिखना बन्द हो गया था तो उनके माता–पिता तारा नेत्रालय लेकर आए। यदि बच्चों के स्कूलों में जा जाकर शिविर लगाए जायें जहाँ बच्चों कि निःशुल्क नेत्र जाँच हो मुफ्त में चश्मे उन्हें मिलें। यदि किसी बच्चे को ज्यादा तकलीफ हो तो उसके माता–पिता को बताया जाये कि आप अस्पताल लेकर आवें। और इन शिविरों को दानदाताओं के माध्यम से Organize करें तो विस्तृत तौर पर इन्हें किया जा सकता है। बिना इस Restriction के कि केवल सरकारी स्कूलों में ही जाँच हो क्योंकि ढेर सारे गरीब बच्चे हैं जो कि प्राइवेट स्कूलों में पढ़ते हैं और साथ में क्षेत्र की सीमा भी नहीं हो जिधर भी चाहें उधर यह जाँच कर सकें। तो मोटा मोटा अनुमान लगाया कि 15000 रु. में लगभग 200 बच्चों की जाँच करेंगे इसमें हर जाँच होने वाले बच्चे को लगभग 20 रु. तक का सामान जैसे पेंसिल, रबर शार्पनर आदि बांटेंगे और जो भी बच्चे चश्मे के लिए Select होंगे उन्हें चश्मा बनाकर दिया जाएगा। स्कूलों में तारा संस्थान की एक गाड़ी जिसमें ऑप्ट्रोमेट्रिस्ट के साथ दो स्टाफ जाएँगे और जिन बच्चों को मोतियाबिन्द या अन्य कोई बड़ी समस्या है उनके माता–पिता की फोन पर Counseling की जाएगी जिससे बच्चे की आँखों की रोशनी ना जाए।

जून माह में तारा संस्थान को कार्य करते हुए 7 साल हो जाएगें, जो भी सोच ईश्वर ने दी उसे साकार आप सब ने किया है और बच्चों के लिए यह एक नई सोच है जिसका क्रियान्वयन अभी बाकी है, मुझे लगता है कि इस बार भी आप सबका साथ इस योजना को सफल बनाएगा।

आदर सहित....

दीपेश मित्तल

नोट : बच्चों हेतु शिविर लगवाने के लिए सम्पर्क करें : मो. 9549399993

आनन्द वृद्धाश्रम नवीन परिसर के निर्माण कार्यों का जायजा

तारा संस्थान प्रबंधन टीम, आर्किटेक्टों से झौके पर चर्चा करते हुए (ऊपर बाएँ से : तारा संस्थान के श्री विजय सिंह चौहान, श्रीमती कल्पना गोयल, दीपेश मित्तल, आर्किटेक्ट श्री पुनीत सक्सेना, इंटिरियर डिजाइनर सुश्री सुरभी उपाध्याय एवं तारा संस्थान के श्री शंकर सिंह राठौड़ एवं श्रीमती अलका जैन)

श्री राहुल भार्गव (दाएँ) कुछ सुझाव देते हुए एवं श्री एन.पी. भार्गव सा. (दाएँ मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान) संपूर्ण योजना का जायजा लेते हुए

उठो और शुक्रिया करो भगवान् का जिसने एक और सुबह दी है।

आनन्द वृद्धाश्रम का नवीन परिसर उद्घाटन की तैयारियों के अंतिम चरण में

लगभग तैयार डॉरमिटरी हॉल

रसोई घर तैयार होते हुए

मंदिर हेतु सामग्री

एक कमरे का दृश्य

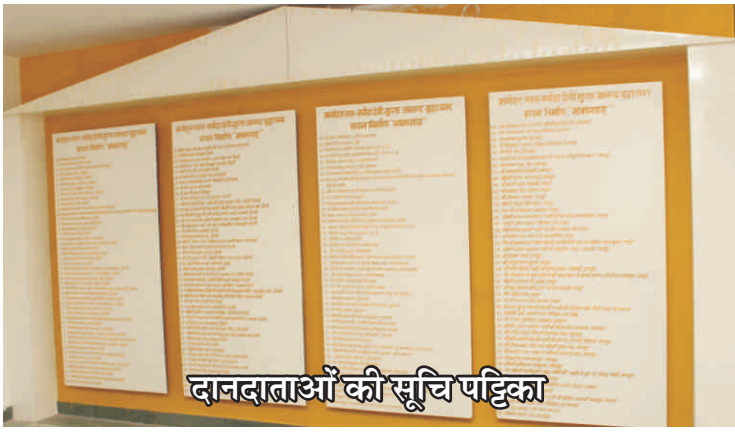

दानदाताओं की सूचि पट्टिका

उदयपुर के अतिरिक्त तारा संस्थान के अन्य शहरों में निम्न वृद्धाश्रम हैं :

रवीन्द्र नाथ गौड़ आनन्द वृद्धाश्रम

25/39, एल.आई.टी. कॉलोनी,
टेगौर टाउन, इलाहाबाद (उ.प्र.) - 211002
फोन नं. (0532) 2465035

ओम दीप आनन्द वृद्धाश्रम

866, सेक्टर - 15ए,
फरीदाबाद (हरियाणा) - 121007
मो. 07821855758

वरिष्ठजनों के रिश्तेदारों के विचार - 1 :

आनन्द वृद्धाश्रम वासियों के रिश्तेदारों के इस जगह के बारे में उनके विचार

तारा संस्थान द्वारा आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर सहित इलाहाबाद व फरीदाबाद में भी वृद्धाश्रम का संचालन किया जाता है जिनमें क्रमशः 50, 10 व 6 बुजुर्ग वर्तमान में निवास कर रहे हैं। ज्यादातर बुजुर्गों के ना तो कोई फोन पर सम्पर्क में है, ना ही कोई रिश्तेदार मिलने आते हैं लेकिन कुछ एक भाग्यशाली वरिष्ठ जनों के परिजन उनसे लगातार सम्पर्क में रहते हैं एवं कुछ तो समय-समय पर मिलने आ जाते है। ऐसे ही कुछ रिश्तेदारों की नजर में आनन्द वृद्धाश्रम :

आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर वासी :
श्रीमती एवं श्री सतीश चन्द्र अग्रवाल
आगन्तुकों से बतियाते हुए

मेरे पिता श्री सतीश चन्द्र अग्रवाल के रिटायर होने के बाद वह और मेरी माताजी हमारे गाजियाबाद के घर में अकेले ही रह रहे थे क्योंकि मेरे कोई और भाई–बहन नहीं है और स्वयं मैं एवं मेरे पति Transferable Army Service में थे। घर में खासतौर पर मेरी माताजी को अकेलापन महसूस होता था तो मैंने सोचा क्यों न उनके लिए एक वृद्धाश्रम तलाशा जाए जिसमें मेरे माता–पिता अपने हम उम्र लोगों के साथ मिल जुल कर रहें और बातचीत के लिए कुछ लोग आस–पास हो। तो मैंने दिल्ली और आस–पास ही कई वृद्धाश्रम की तलाश शुरू की। दिल्ली इसलिए ताकि कभी आवश्यकता पड़ने पर रिश्तेदार समय पर मेरे माता–पिता के पास पहुँच सके। खूब ढूंढने पर भी हमें कोई भी जँचा नहीं, किसी में सुविधाओं की कमी तो, किसी में मोटी रकम का तकाजा। कुल मिलाकर निराशा ही हाथ लगी। फिर जब हमारी Posting Udaipur Army Kant में थी तब संयोग से मुझे तारा संस्थान की वेबसाइट मिली जिसमें आनन्द वृद्धाश्रम का भी विवरण था। फोन करके जब देखने आई तो सारी व्यवस्था बहुत ही उत्तत लगी। सो मैंने Parents को यहाँ बुलाकर कुछ समय रहने को कहा तो वे मार्च, 2014 में 5 दिन रहे और सारी सुविधाओं एवं मैनेजमेंट से बहुत खुश हुए। फिर उन्होंने नवम्बर, 2014 से रेगुलर रहना शुरू किया एवं वे अति प्रसन्न हैं। मैं तारा संस्थान की निदेशक, श्रीमती कल्पना जी एवं श्री दीपेश जी (सी.ई.ओ.) को हार्दिक धन्यवाद देती हूँ कि वे इस वृद्धाश्रम को इतना सुचारू रूप से एवं कम्पैशन से चला रहे हैं।

- कैप्टन चारू मन (पुत्री), हैदराबाद

खुश वह होता है जिसने प्रभु में विश्वास रखा हो।

वरिष्ठजनों के रिश्तेदारों के विचार - 2 :

पति के उचित व्यवहार नहीं होने के कारण, मेरी एक चचेरी बहन श्रीमती कल्पना दाधिच आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर में लगभग पिछले 3 वर्षों से रह रही हैं। हम स्वयं उदयपुर में रहते हैं एवं समय–समय पर उनसे फोन पर बात करते हैं, मिलने चले जाते हैं अथवा उन्हें भी मिलने बुला लेते हैं। हमारे अनेक रिश्तेदार भी उनसे मिलने जाते रहते हैं। तो जब हम तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम को देखते हैं तो पाते हैं कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए वहाँ 'परफेक्ट' सुविधाएँ निःशुल्क उपलब्ध करवाई जा रही है। समय पर नाश्ता भोजन, चिकित्सा सुविधा एवं मनोरंजन आदि सभी कुछ उपलब्ध हैं। दानदाता निश्चित ही धन्यवाद के पात्र हैं।

- श्रीमती शशिप्रभा (भांजी), उदयपुर (राज.)

आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर वासी : श्रीमती कल्पना दाधिच

हम दो भाई एवं दो बहनों के माता–पिता श्रीमती प्रेम एवं श्री हेमराज जी पौद्दार आनन्द वृद्धाश्रम उदयपुर में रहते हैं। स्वास्थ्य समस्या के चलते मेरे पिताजी ने अपना व्यवसाय मेरे भाइयों को सौंपकर वहाँ रहने चले गए थे। मेरी बड़ी बहन उनसे मिलने जाती रहती है। मेरे माता–पिता तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में आराम से सक्रिय जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

- श्रीमती मोनू अग्रवाल (पुत्री), कोलकाता

आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर वासी : श्रीमती प्रेम व श्री हेमराज पौद्दार

मेरे पिता श्री रमा शंकर सिंह लगभग एक वर्ष से इलाहाबाद स्थित तारा संस्थान के रवीन्द्र नाथ गौड़ आनन्द वृद्धाश्रम में रह रहे हैं। चूंकि मेरी एक प्राइवेट नौकरी है तथा घर भी इतना बड़ा नहीं कि पिताजी को ढंग से रख सकूं तो उन्हें वृद्धाश्रम में रहने भेजा। मैं समय–समय पर उनसे फोन पर सम्पर्क में रहता हूँ एवं वार त्योहार पर उनसे मिल भी आता हूँ। मुझे यह कहने में कतई संकोच नहीं कि आनन्द वृद्धाश्रम मेरे पिताजी को जैसा सम्भाल कर रख रहे हैं वैसा शायद मैं, स्वयं भी नहीं रख सकता हूँ। तारा संस्थान के दानदाताओं का हार्दिक आभार।

- श्री कमलेश सिंह (पुत्र), गोरखपुर (उ.प्र.)

आनन्द वृद्धाश्रम, इलाहाबाद वासी : श्री रमाशंकर सिंह

मैं शादीशुदा होकर लुधियाना में रहती हूँ। मेरा एक भाई था जिसने मानसिक बीमारी के चलते आत्महत्या कर ली थी तो मेरे माता–पिता श्री परमानन्द आहुजा एवं श्रीमती लाज आहुजा तथा भाभी व उनका 11 वर्ष का लड़का अकेले रह गए हैं एवं घर पर उनकी वृद्धावस्था में कोई देखभाल करने वाला नहीं है अत एवं हमने उनके लिए वृद्धाश्रम की तलाश शुरू की। एक जगह बहुत फीस मांग रहे थे जिसे हम वहन नहीं कर सकते थे। लेकिन फिर ओम दीप आनन्द वृद्धाश्रम के बारे में पता चला कि वहाँ सारी सुविधाएँ बिल्कुल निःशुल्क है तो उन्हें वहाँ ले गए एवं भर्ती करवा दिया। वे दोनों अब बड़े मजे से वहाँ जीवन गुजार रहे हैं। समय–समय पर हम स्वयं उनसे मिलने चले जाते हैं अथवा फोन पर सम्पर्क साध लेते है।

- श्रीमती प्रीति गाँधी (पुत्री), लुधियाना (पंजाब)

आनन्द वृद्धाश्रम, फरीदाबाद वासी : श्रीमती लाज आहुजा एवं श्री परमानन्द आहुआ

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)

01 वर्ष - 60,000 रु.	06 माह - 30,000 रु.	01 माह - 5,000 रु.

वरिष्ठजनों के रिश्तेदारों के विचार - 3 :

मेरा बाबा (पिताजी) श्री दिगम्बर जैन पिछले एक साल से आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर में रह रहे हैं। क्योंकि इनकी बहू का व्यवहार प्रेमपूर्ण नहीं है सो उनकी जालना (औरंगाबाद) वाली बहन सरिता ने टी.वी. पर इस वृद्धाश्रम के बारे में देखा तो उन्हें यहाँ अस्थाई रह कर देखने को कहा लेकिन मेरे पिताजी को सारी जगह इतनी पसंद आई कि उन्होंने हमेशा यहीं रहने की ठान ली। हम लोग एवं उनके भाई तथा बहन सरिता जी उनसे सम्पर्क में रहते हैं एवं 8–10 दिन में फोन पर परस्पर बात हो जाती है। पिछले महीने मैं स्वयं एवं 15 दिन पहले सरिता जी भी उनसे उदयपुर आकर मिलकर गए हैं। हम वृद्धाश्रम की व्यवस्था को देखकर अत्यन्त प्रसन्न हैं। दरअसल हम एवं स्वयं पिताजी कहते हैं कि उनको इतनी अच्छी सुविधाएँ तो घर पर भी हम नहीं दे पाते। आप लोगों को हृदय से धन्यवाद।

- श्रीमती सुरेखा दुर्षे (पुत्री), लातूर, महाराष्ट्र

आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर वासी : श्री दिगम्बर जैन

मैं श्रीमती लक्ष्मी देवी रावतभाटा में रहती हूँ। मेरे तीन भाई हैं लेकिन उनका पिताजी के साथ अच्छा सम्बन्ध नहीं है सो वह आनन्द वृद्धाश्रम में रह रहे हैं। मैं मेरे पिताजी श्री भंवर सिंह जी रावत से महीने में 3–4 बार फोन पर बात करती रहती हूँ। मेरे पिताजी कहते हैं कि इस वृद्धाश्रम पर सब कुछ निःशुल्क है एवं समय पर खाना–पीना तथा अन्य व्यवस्थाएँ सुचारू रूप से संचालित हैं। अब मेरे पिताजी के कुछ अच्छे दोस्त भी बन गए है एवं वे लोग सुबह–शाम मंदिर दर्शन करने जाते हैं। तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम को अनेक धन्यवाद।

- श्रीमती लक्ष्मती देवी (पुत्री), रावतभाटा (राज.)

आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर वासी : श्री भंवर सिंह रावत

मेरा भाई श्री चिमन मोदी कुँवारा है एवं स्वयं का कोई परिवार नहीं है सो मुम्बई में एक वृद्धाश्रम में रहते थे लेकिन वहाँ पर व्यवस्था ठीक नहीं थी फिर मुझे आनन्द वृद्धाश्रम के ओपनिंग की सूचना मिली तो यहाँ व्यवस्था देखने आया। सब कुछ ठीक पाकर भाई को यहाँ बुला लिया। वह यहाँ रहकर अति प्रसन्न है। मैं चिमन भाई से 8–10 दिन में फोन पर बात कर लेता हूँ तथा कई बार मिलने भी आया हूँ। पिछले दिनों उनके ऑपरेशन के दौरान भी मिलकर गया हूँ। यहाँ की सारी व्यवस्था अति उत्तम है एवं मेरे भाई को कोई तकलीफ नहीं। वह बहुत आनन्द से यहाँ रह रहे हैं। आपको इस हेतु बहुत–बहुत धन्यवाद।

- श्री हंसमुख मोदी (भ्राता), ठाणे (महा.)

आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर वासी : श्री चिमन भाई मोदी

हम दो बहनें व दो भाई हैं। दोनों बहनें शादी के बाद ससुराल में है। भाइयों की प्राइवेट नौकरी है। घर छोटे–छोटे है एवं गुजारा भी बड़ी मुश्किल से हो पाता है सो मेरी माता श्रीमती निर्मला देवी तथा पिता श्री जगदीश चौबे दोनों तारा संस्थान, उदयपुर द्वारा संचालित ओम दीप आनन्द वृद्धाश्रम, फरीदाबाद में रहते हैं। मैं उनसे साप्ताहिक रूप से फोन पर सम्पर्क में रहती हूँ और समय–समय पर मैं उन्हें अपने पास भी बुला लेती हूँ। हालांकि मैंने स्वयं वृद्धाश्रम देखा नहीं है लेकिन जैसा कि मेरे माता–पिता ने बताया कि वहाँ की सारी सुविधाएँ एवं व्यवस्थाएँ बहुत अच्छी है एवं वे वहाँ पर अन्य 7–8 लोगों के साथ आरामदायक जीवन जी रहे हैं। तारा संस्थान का वृद्धाश्रम प्रकल्प अत्यन्त प्रशंसनीय है।

- श्रीमती उषा तिवारी (पुत्री), नोएडा (उ.प्र.)

आनन्द वृद्धाश्रम, फरीदाबाद वासी : श्रीमती निर्मला देवी - श्री जगदीश चौबे

एक बुजुर्ग 5000/- प्रतिमाह, 5 बुजुर्ग 25000/- प्रतिमाह, 10 बुजुर्ग 50000/- प्रतिमाह

सच्ची भक्ति में प्रभु के लिए तीव्र प्यार होता है।

मेरा भतीजा रूपनारायण व उनकी पत्नी राधिका के दो बेटे हैं जिनमें से एक गुमशुदा है जबकि अन्य से बनती नहीं है इसलिए वे अनेक वर्षों से तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर में बड़े आराम से रह रहे हैं। हम समय–समय पर उनसे फोन पर बातचीत करते एवं एक दूसरे का हालचाल पूछते हैं। वे दोनों वृद्धाश्रम की सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं से एकदम संतुष्ट हैं एवं तारीफ करते है यहाँ के मैनेजमेंट की।

- श्री राधेश्याम जी (भतीजा), रोहतास, बिहार

आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर वासी : श्रीमती राधिका एवं श्री रूपनारायण पाण्डे

हम दो बहनें हैं एवं शादी के बाद मैं व्यावर व बहन कोटा में अपने–अपने ससुराल में रहते हैं। माताजी उदयपुर में ही मकान में अकेली बीमार रहती हैं तो अस्वस्थ पिताजी का कोई ध्यान रखने वाला नहीं था। तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम की जानकारी मिली तो उन्हें वहाँ रखवा दिया। अब आराम से रह रहे हैं। हमें उनकी इतनी चिंता नहीं क्योंकि वह बहुत से लोगों के साथ रह रहे हैं एवं वे परस्पर ध्यान रखते हैं।

1 बुजुर्ग सहयोग राशि रु. 5000/- प्रतिमाह

- श्रीमती सपना (पुत्री), ब्यावर (राज.)

आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर वासी : श्री नारायण खत्री

मेरे बहनोई श्री जुगल किशोर मित्तल उदयपुर स्थित आनन्द वृद्धाश्रम में रहते हैं। जालना जिले के वे एक करोड़पति व्यापारी रहे हैं लेकिन उनके पुत्र ने सब कुछ चौपट कर दिया यहाँ तक कि उनके साथ गाली–गलोच और मारपीट भी करता है। अत एवं मजबूरी वश उन्हें वृद्धाश्रम में रहना पड़ रहा है लेकिन वे वहाँ पर अपने हमउम्र लोगों के साथ रह कर खुश हैं। जब हम फोन पर बात करते हैं तो ऐसा बताते हैं और कहते हैं कि यहाँ की व्यवस्था अच्छी है। बहुत–बहुत धन्यवाद तारा संस्थान।

- श्री आशाराम जी (बहनोई), जालना (महा.)

आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर वासी : श्री जुगल किशोर मित्तल

मेरे स्वर्गीय पिता जी श्री रूपचन्द जी लगभग 3 वर्ष से आनन्द वृद्धाश्रम में रह रहे थे लेकिन विगत मार्च, 2018 में उनकी मृत्यु हो गई। पहले मैं स्वयं अपने माता–पिता को अपने साथ ही रखती थी लेकिन फिर मुझे चोट लगने की वजह से उनके देखभाल में दिक्कत आ गई तो मुश्किल में पड़ गई। संयोगवश उदयपुर स्थित आनन्द वृद्धाश्रम की जानकारी मिली हमने यहाँ आकर स्वयं व्यवस्था देखी और संतुष्ट हुए कि पिताजी यहाँ आराम से रह पाएँगे। वास्तव उन्हें बड़े केयर का साथ रखा गया। बीमारी के दौरान उनका उपचार भी तारा संस्थान द्वारा करवाया गया। मैं फोन पर पिताजी से सम्पर्क में रहती थी और साल में एकाद्य बार मिलने भी आया करती थी। उनकी मृत्यु के पश्चात् उनका दाह–संस्कार भी तारा संस्थान द्वारा करवाया गया। मैं फिर उनके अस्थि कलश ले गई, इससे बढ़कर और क्या बात हो सकती है। तारा व दानदाताओं को नमन।

- श्रीमती उमा डे (पुत्री), झारखण्ड

आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर वासी : स्व. श्री रूपचन्द जी

गौरी योजना :

श्रीमती दुर्गा गमेती : कम उम्र विधवा नन्हीं संतानों को कैसे पाले ?

अकेले में मैं (दुर्गा गमेती) रोती रहती हूँ कि मात्र 20 वर्ष की आयु थी तब पति की बीमारी से मृत्यु हो गई और मैं 5 छोटे–छोटे बच्चों के साथ अकेली रह गई। 10 वर्ष बाद आज भी स्थिति यह है कि अगर लगातार मजदूरी का कार्य न मिले तो हमें दुकानदार से कर्जे पर खाने–पीने का सामान लेना पड़ता है, ऊपर से मकान किराया चुकाना भी भारी पड़ता है। जब पति जीवित थे तो दोनों मिलकर मजदूरी–कर ठीकठाक जीवन यापन कर लेते थे लेकिन अब मैं नितांत अकेली जान बच्चों के भविष्य हेतु निरन्तर दिहाड़ी कर रही हूँ। बच्चों की हमेशा कुछ–न–कुछ मांग रहती है आज स्कूल का सामान तो कुल कपड़े लत्ते आदि। अगर मेरे पति जीवित होते तो वह उनकी मांगें पूरी कर देते। मैं अकेली क्या–क्या करूँ? पर तारा संस्थान के रूप में मुझे एक बड़ा सहारा मिल गया है। उनकी गौरी योजना के तहत मासिक रु. 1000 की पेंशन बैंक खाते में डाली जा रही है जिससे खाने–पीने का संकट तो एक बारगी टल गया है। **मैं दुर्गा, तारा संस्थान के भामाशाहों को हार्दिक धन्यवाद देती हूँ।**

01 वर्ष – 12000 रु.	06 माह – 6000 रु.	01 माह – 1000 रु.

तृप्ति योजना :

हीरा बाई : 70 वर्ष की उम्र में भी मजदूरी करती है यह महिला

वृद्ध, निर्धन हीरा बाई उम्र दराज होते हुए भी रोज कुछ न कुछ मजदूरी करके अपना गुजारा चलाती है। लगभग 30 वर्ष पहले ही उनके पति बीमारी से चल बसे और छोड़ गए छोटे–छोटे 2 लड़के और 3 लड़कियाँ। अकेली हीरा बाई के सामने इन बच्चों को बड़ा करने की भारी जिम्मेदारी आन पड़ी। कहीं से कोई मदद की आस नहीं थी सिर्फ एक भाई समय–समय पर कुछ सहायता कर देता था। तो हीरा बाई ने दिन–रात मेहनत मजदूरी करते हुए जैसे–तैसे 5 संतानों को बड़ा किया जिसमें से 3 बेटियों की शादी होकर ससुराल में हैं। एक बेटा जो स्वयं भी मजदूरी करता है, उसके साथ हीरा बाई रहती है। उम्र के इस पड़ाव पर जब कभी अकेली होकर सोचती है तो बड़ी निराश और विषाद से घिर जाती है। अकेली ही अपनी किस्मत पर रोती रहती हूँ, ऐसी स्थिति में काम तो गया भाड़ में, बस लेटे–लेटे वक्त गुज़रता है। तारा संस्थान ने इस बुजुर्ग महिला की व्यथा सुनी और उन्हें अपनी तृप्ति योजना के अन्तर्गत मासिक राशन सामग्री व कुछ नकदी देना आरम्भ किया है। **हीरा बाई दयालु दानदाताओं का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करती है। ऐसी स्थिति में बेटियाँ कभी-कभी आकर कुछ सामान आदि से मदद कर जाती है।**

01 वर्ष – 18000 रु.	06 माह – 9000 रु.	01 माह – 1500 रु.

यह जीवन प्रभु का अमूल्य वरदान हैं इसे व्यर्थ ना गवाओ।

आपने मेरे बच्चे का संसार पुनः लौटा दिया

नेत्र शिविर सौजन्य
मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

काजू कुमार नामक 9 वर्षीय बालक एक मजदूर पिता की तीन संतानों में से एक है। जब बच्चा मात्र ढाई तीन साल का था तभी से उसको दृष्टि की समस्या हो गई थी, ठीक से दिखता नहीं था एवं चीजों से इधर–उधर टकराता था। फिर एक बार उसे मिर्गी का दौरा पड़ा, अस्पताल में ईलाज तो हो गया लेकिन उसकी आँखें लगभग चली गई, ऐसा बच्चे को प्रतीत होता था। मजदूर पिता ने तीन–चार प्राइवेट अस्पतालों में दिखाया लेकिन किसी ने संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। शायद उसकी गरीबी देख फीस न उगाह पाने की वजह रही होगी। फिर एक द्वारा तारा नेत्रालय का उनके गाँव के नजदीक भीण्डर में शिविर लगा और मार्च, 2018 के मध्य में मरीज बालक को तारा नेत्रालय, उदयपुर लाया गया जहाँ संपूर्ण जाँचों के बाद मरीज की दोनों आँखों में मोतियाबिन्द पाया गया। दिनांक 17 मार्च, 2018 को उसकी एक आँख का सफलता पूर्वक ऑपरेशन किया गया एवं बालक की दृष्टि लौटाई गई। इसी प्रकार दूसरी आँख का ऑपरेशन भी कुछ समय बाद किया जाएगा वह भी पूर्णतः निःशुल्क। मजदूर पिता ने गदगद होकर तारा संस्थान को धन्यवाद दिया एवं कहा कि आपने मेरे बच्चे का संसार पुनः लौटा दिया।

1 ऑपरेशन सहयोग राशि रु. 3000/-

17 ऑपरेशन सहयोग राशि रु. 51000/-

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर :

निर्धन - निःसहाय विधवाओं के बच्चों की शिक्षा समाधान

10 विधवा महिला के बच्चे की शिक्षा हेतु वार्षिक सहयोग - 1,20,000 रु.

5 विधवा महिला के बच्चे की शिक्षा हेतु वार्षिक सहयोग - 60,000 रु.

1 विधवा महिला के बच्चे की शिक्षा हेतु वार्षिक सहयोग - 12000 रु.

कुर्सत के पलों में कुछ आनन्द वृद्धाश्रमवासी

अगर आप ईश्वर को खोजना चाहते हैं तो अपने विचारों के बीच छूटे हुए स्थान में देखिये।

8 मार्च, 2018 : तारा संस्थान में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में तारा संस्थान की निदेशिका व संस्थापक श्रीमती कल्पना गोयल तथा तारा नेत्रालय के वरिष्ठ सर्जन डॉ. लीना दावे के नेतृत्व में इस दिवस को धूम–धाम से मनाया गया जिसमें तारा परिवार की समस्त महिलाओं ने अपने–अपने विचार सांझा किए। तत्पश्चात् सबको साड़ियां भेंट की गईं।

9 मार्च, 2018 : तारा नेत्रालय, उदयपुर ने 21,000 ऑपरेशन सफलतापूर्वक पूरे किए

21,000 मोतियाबिन्द ऑपरेशन के मील के पत्थर के अवसर पर 9 मार्च, 2018 को तारा नेत्रालय व तारा संस्थान ने अपने समस्त स्टाफ के साथ केक काटकर उत्सव मनाया तथा डॉक्टरों एवं स्टाफ ने परस्पर बधाइयाँ दीं।

12 मार्च, 2018 : शर्मा दम्पति ने अपने पुत्र का जन्मदिवस आनंद वृद्धाश्रम में मनाया

अनेक परिवार समय–समय पर अपने सगे–सम्बन्धियों व पारिवारिक मित्रों के विशेष दिवस जैसे जन्म दिवस, विवाह की वर्षगांठ आदि उत्सवों की खुशियाँ आनंद वृद्धाश्रम के बुजुर्गों के साथ बाँटते हैं। इसी प्रकार पिछले दिनों उदयपुर के शर्मा दम्पति ने अपने सुपुत्र चि. हियान का जन्म–दिवस 12 मार्च को आनंद वृद्धाश्रम वासियों के साथ सपरिवार मनाया एवं उन्हें भोजन महाप्रसाद परोसा।

उदयपुर

मुम्बई

23 मार्च, 2018 : तारा नेत्रालय ने विश्व ऑप्टोमेट्रिस्ट्स दिवस मनाया

तारा संस्थान द्वारा संचालित उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई एवं फरीदाबाद स्थित तारा नेत्रालयों ने "विश्व ऑप्टोमेट्रिस्ट्स दिवस" 23 मार्च, 2018 को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर संस्थान संचालकों तथा डॉक्टरों ने नेत्रालयों में कार्यरत ऑप्टोमेट्रिस्ट्स को उपहार देकर सम्मानित किया एवं उनकी कार्यकुशलता तथा सहयोग की भूरि–भूरि प्रशंसा की।

दिल्ली

फरीदाबाद

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

दानदाताओं के सौजन्य से माह मार्च – 2018 में आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय – उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद में आयोजित शिविर

सौजन्यकर्त्ता :

स्व. श्रीमती मधुरलता अग्रवाल, निवासी : बड़ा बाजार, बरेली (उ.प्र.), जय श्री राम एवं श्रीमती मंजू गुप्ता, निवासी : मयुर विहार, फेस – 3, दिल्ली, श्री गोपाल कृष्ण मन्दिर एवं श्री हनुमान मन्दिर ट्रस्ट, वसई, श्री महावीर जैन, निवासी : मुम्बई

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविर

बाबा बिशनदास जी, लाला दयाचन्द जी (मुरथल वाले) सोनीपत (हरि.), मनोहरी देवी बिंदल चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि.), दिल्ली, स्व. श्री धनी राम सैनी एवं स्व. श्रीमती नान्हों देवी की स्मृति में पदमावती चैरिटेबल ट्रस्ट और इच्छा बिंदू सेवा केन्द्र, मुम्बई, आओ अमारी साथे सेवा ट्रस्ट, सायन, श्री एस.एस. जैन महिला मण्डल (रजि.), ऋषभ विहार हीरालाल मोहन देवी रिटा गुप्ता मेमोरियल ट्रस्ट, नई दिल्ली, वर्द्धमान प्लाजा, कान्यकुण्ज वैश्य हलवाई समाज, मुम्बई, श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन, दिल्ली

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्ढाकी प्रेरणा से "The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर

स्थान : **सचखण्ड नानक धाम (रजि.), गुरुद्वारा रोड, इन्द्रापुरी, लोनी, गजियाबाद,**
मनीष ठाकुर का मकान, ए - 48, एस.एल.एफ. वैद विहार, लोनी, गजियाबाद

इस शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, दिल्ली एवं मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं। मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान, उदयपुर, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया : **कुल 16 शिविर (देशभर में)** | नेशनल स्टॉक एक्सचेंज : **कुल 6 शिविर (देशभर में)**

कृपया आपश्री सहमति पत्र के साथ अपनी करुणा - सेवा भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदया,

मैं (नाम) ..... सहयोग मद / उपलक्ष्य में / स्मृति में .....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये ..... का केश / चैक / डी.डी. नम्बर .....

दिनांक ..... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।

मेरा पता (नाम) ..... पिता (नाम) .....

निवास पता .....

लेण्ड मार्क ..... जिला ..... पिन कोड ..... राज्य .....

फोन नम्बर घर / ऑफिस ..... मो.नं. ..... ई–मेल .....

तारा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान - सहयोग प्रदान करें।

हस्ताक्षर

विनम्र अपील :

जैसा कि आपको विदित है तारा नेत्रालय (उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद) जरूरतमंद निर्धनों हेतु आँखों के मोतियाबिन्द के मुफ्त इलाज करते हैं। इसी प्रक्रिया में हमें अनेक महंगी मशीनों व यंत्रों की आवश्यकता पड़ती है वर्तमान में निम्न मशीनों की तुरंत आवश्यकता है, कृपया मुक्तहस्त सहयोग करें।

B-SCAN
बी-स्केन

यह आँख की सोनोग्राफी मशीन है जो विशेष रूप से आँख के पर्दे की जाँच में उपयोग होती है। मोतियाबिन्द के जिन मरीजों में पर्दा नहीं दिख पाता तथा डायबिटीज, ब्लड प्रेशर एवं आँख की चोट में यह विशेष रूप से सहायक है।

कीमत रु. **9,00,000/-** (नौ लाख रुपए)

OPERATING MICROSCOPE
ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप

सामान्य भाषा में इसे दूरबीन कहते हैं। आधुनिक मोतियाबिन्द के ऑपरेशन में यह अतिआवश्यक है। इसके द्वारा आँख की कई गुना बड़ी इमेज बनती है जिससे की अति सूक्ष्म सर्जरी भी की जा सकती है।

कीमत रु. **8,38,000/-** (आठ लाख अड़तीस हजार रुपए)

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु.	09 ऑपरेशन - 27000 रु.	06 ऑपेरशन - 18000 रु.
03 ऑपरेशन - 9000 रु.	01 ऑपरेशन - 3000 रु.	

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

स्वागत :

"तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया"

स्व. श्री धनी राम सैनी एवं
स्व. श्रीमती नान्हों देवी की स्मृति में
सैनी परिवार,
नांगलोई, नई दिल्ली

श्री राकेश शर्मा
जयपुर (राज.)

श्री धन - श्रीमती कमल कासलीवाल
जयपुर (राज.)

श्री राम लक्ष्मण गट्टानी
जयपुर (राज.)

श्रीमती एवं श्री ओम प्रकाश अग्रवाल
बिलासपुर (छ.ग.)

श्री राणा प्रेम कुमार सिंह
भिलाई - दुर्ग (छ.ग.)

तारा संस्थान में पधारे अतिथि महानुभावों का स्वागत सम्मान

श्रीमती एवं श्री प्रमोद बंसल (जज सा.)
उदयपुर (राज.)

श्री अनिल मित्तल के साथ तारा परिवार
दिल्ली

श्री सुनील कुमार गुप्ता एवं परिजन
फरीदाबाद (हरियाणा)

Thanks :

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. Vijay - Mrs. Sarika Kaushik
Bulandshahar (UP)

Mr. Surjit Kumar - Mrs. Chander Prabha
Bhagotra, Jammu & Kashmir

Mr. Subhash - Mrs. Kiran Bala Kansal
Sunam - Sangrur (PB)

Mr. Ashok - Mrs. Shakuntala Devi Pandita
Udhampur, Jammu & Kashmir

Mr. Dwarka Nath - Mrs. Raj Laxmi Raina
Udhampur, Jammu & Kashmir

Mr. Seeta Ram - Mrs. Renu Gupta
Alwar (Raj.)

Mr. Murari Lal - Mrs. Madhu Agrawal
Borivali - Mumbai (MH)

Mr. Amar Chand - Mrs. Usha Jain
Tijara - Alwar (Raj.)

Mr. P.N. Sharma - Late. Mrs. Trishala
Rishi Nagar, Delhi -34

Mr. Subhash Chandra - Mrs. Shakuntala Rani
Jammu & Kashmir

Mrs. & Mr. Hukam Chand
Bathinda (PB)

Mr. Sandeep - Mrs. Renu Jain
Tijara - Alwar (Raj.)

Mr. Suresh Chandra - Mrs. Sandhya Karmarkar

Mr. Anurag Jain - Mrs. Alka Jain
Kanpur (UP)

Mr. Basant Kumar - Mrs. Jaywanti Shrivastav
Ujjain (MP)

Mr. Ashok - Lt. Mrs. Indra Devi Goyal
Jaipur (Raj.)

Mr. Babu Lal - Mrs. Pushpa Devi Jain
Indore (MP)

Mr. Buddhi Vinayak Joshi
Mrs. Bhagwati Devi Joshi, Alwar (Raj.)

Mr. R.K. Jain - Mrs. Shashi Jain
Agra (UP)

Mr. J.P. Lohia - Mrs. Aarti Lohiya
Jaipur (Raj.)

Mr. R.P. Chaudhary
Jabalpur (MP)

Mr. Chunni Lal Bhimraj
Singhvi (Jain) Punwali

Mr. Hemchand Jain
Kolkata

Mr. Siremal Kothari
Chennai

Mr. Vikram Singh
Guna (MP)

Lt. Mr. Bankat Lal Sharma
Jaipur (Raj.)

Mr. S.C. Jain
Dabauli, Kanpur

Mr. Chetanya Raj Singh
Udawat, Bar, Pali (Raj.)

Rajeyu Joginder Bhatia
Mumbai

श्रद्धा का अर्थ है आत्म विश्वास और आत्म विश्वास का अर्थ हैं ईश्वर में विश्वास।

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation
Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

TARA NETRALAYA - Delhi

WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720, Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 59
Phone No. 011-25357026, +91 9560626661

TARA NETRALAYA - Mumbai

Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl. Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post,
Meera Road, Thane - 401107 (M.S.) INDIA, Phone No. 022-28480001, +91 7821855753

TARA NETRALAYA - Faridabad

Bhatia Sewak Samaj (Regd.), N.H. - 2, Block - D, N.I.T., Faridabad (Haryana) 121001
Phone No. 0129-4169898, +91 7821855758

ANAND VRUDHASHRAM

236, Hiran Magari, Sec 6, Udaipur (Raj.)
313002 INDIA Mob. 9549399993

RAVINDRA NATH GAUR ANAND VRUDHASHRAM

25/39, L.I.T. Colony, Tagor Town,
Allahabad (U.P.) 211022 INDIA
Ph. No. (0532) 2465035

OM DEEP ANAND VRUDHASHRAM

866, Sec - 15A, Faridabad (HR)
121007 INDIA Mob. 7821855758

AREA SPECIFIC TARA SADHAK

Amit Sharma
Area Delhi
Cell : 07821855747

Sanjay Choubisa
Area Delhi
Cell : 07821055717

Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821855741

Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Kamal Didawania
Area Chandigarh (HR)
Cell : 07821855756

Ramesh Yogi
Area Lucknow (UP)
Cell : 07821855739

Narayan Sharma
Area Hyderabad
Cell : 07821855746

Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006

Sunil Sharma
Area Mumbai, Chennai
Cell : 07821855752

Suresh Kumar Lohar
Area Mumbai
Cell : 07821855759

Prakash Acharya
Area Surat (Guj.)
Cell : 07821855726

Kailash Prajapati
Area Saurashtra (Guj.)
Cell : 07821855738

Deepak Purbia
Area Punjab
Cell : 07821055718

Pavan Kumar Sharma
Area Bikaner & Nagpur
Cell : 07821855740

Mukesh Gadri
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

'TARA' CENTRE - INCHARGE

Shri S.N. Sharma
Mumbai
Cell : 09869686830

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai - 400 101, Cell : 09029643708

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (CG)
Cell : 09329817446

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (MP)
Cell : 09424506021

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136, 08821825087

Shri Dinesh Taneja
Bareilly (UP)
Cell : 09412287735

DONORS KINDLY NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. 09549399993 and / or 09649399993

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

TARA SANSTHAN BANK ACCOUNT

ICICI Bank (Madhuban) ..... A/c No. 004501021965 ..... IFSC Code : icic0000045
State Bank of India ..... A/c No. 31840870750 ..... IFSC Code : sbin0011406
IDBI Bank ..... A/c No. 1166104000009645..... IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank ..... A/c No. 912010025408491..... IFSC Code : utib0000097
HDFC Bank..... A/c No. 12731450000426 ..... IFSC Code : hdfc0001273
Canara Bank..... A/c No. 0169101056462..... IFSC Code : cnrb0000169
Central Bank of India..... A/c No. 3309973967..... IFSC Code : cbin0283505
Punjab National Bank ..... A/c No. 8743000100004834..... IFSC Code : punb0874300
Yes Bank ..... A/c No. 065194600000284..... IFSC Code : yesb0000651

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, अप्रेल - 2018
प्रेषण तिथि - 11-17 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर
समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2018-2020
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपेरशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा	गौरी योजना सेवा	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा	वृद्धाश्रम बुजुर्गों
(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	(प्रति विधवा महिला सहायता)	(प्रतिबुजुर्ग)	हेतु भोजन मित्ति
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.	3500 रु.
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.	(एक समय)
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.	

एक विधवा महिला के बच्चे की शिक्षा हेतु वार्षिक सहयोग - 12000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत आयकर में 50% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय
चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFSC Code : icic0000045	Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFSC Code : cnrb0000169
SBI A/c No. 31840870750	IFSC Code : sbin0011406	Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFSC Code : cbin0283505
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166	PNB Bank A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : punb0874300
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFSC Code : utib0000097	YES Bank A/c No. 065194600000284	IFSC Code : yesb0000651
HDFC A/c No. 12731450000426	IFSC Code : hdfc0001273		

Pan Card No. Tara - AABTT8858J

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

पारस	'पारस' रात्रि 8:20 से 8:40 बजे	आस्था भजन	'आस्था भजन' प्रात: 8:40 से 9:00 बजे
आस्था	'आस्था' रविवार दोपहर 2:30 बजे	संस्कार	'संस्कार चैनल' दोपहर 2:40 से 2:55 बजे

बुक पोस्ट

Tara

तारा संस्थान

डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993

Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org